# Today's Poem – 09.06.2014

---

पक्का-पक्का निश्चय करो कि हम आत्मा हैं

हमारा एक ही परमात्मा है

जितना कर्मातीत अवस्था के समीप आते जायेंगे

उतना अंग-अंग शीतल, सुगन्धित होते जायेंगे

बाप से कुछ भी नहीं मांगना

इस देह का भान छोड़ने का पुरुषार्थ करना

२१ जन्मों के लिए अपनी कमाई जमा करनी है

योगबल से शरीर की कशिश समाप्त करनी है

बनाओ अपनी नेचुरल नेचर

मास्टर प्रेम के सागर

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!